(ALL BATCHES)

DATE: 06.10.2018 **MAXIMUM MARKS: 100** **TIMING: 3¼Hours**

PAPER : Auditing

Answer to questions are to be given only in English except in the case of candidates who have opted for Hindi Medium. If a candidate who has not opted for Hindi Medium. His/her answer in Hindi will not be valued.

Question No. 1 is compulsory.

Candidates are also required to answer any Four questions from the remaining Five Questions.

In case, any candidate answers extra question(s)/sub-question(s) over and above the required number, then only the requisite number of questions first answered in the answer book shall be valued and subsequent extra question(s) answered shall be ignored.

Wherever necessary, suitable assumptions may be made and disclosed by way of note.

Answer: 1

(a) **गलतः** धोखाधड़ी में इसे छुपाने के लिए डिजाइन अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक गठित योजना लिप्त हो सकती है।इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को एकत्रित करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण को खोजने के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण के लिए प्रपत्र को असत्य बनाने के लिए साठगांठ जो अंकेक्षक को विश्वास दिला सकता है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह नहीं है। अंकेक्षक प्रपत्र की प्रमाणीकरण में ना ही तो प्रशिक्षित है तथा ना ही उनसे विशेषज्ञ होने की अपेक्षा की जाती है।

(b) **गलतः**SQC 1 "फर्म के लिए गुणवत्ता नियंत्रण को ऐतिहासिक वित्तीय सूचना तथा अन्य आश्वासन तथा संबंधित सेवा का अंकेक्षण तथा समीक्षा को निष्पादित करता है,फर्म को अंकेक्षण फाइल की समयबद्व पूर्णता के लिए नीतियों तथा प्रक्रिया को स्थापित करने के लिए फर्म को कहता है। एक उपयुक्त समय सीमा जिसके अंदर अंतिम अंकेक्षण फाइल का एक्शन को पूर्ण करना होता है साधारणतः अंकेक्षक की रिपोर्ट की तिथि के पश्चात् 60 दिवस से अधिक नहीं है।

(c) **गलतः** वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्य तथा परिस्थिति पर इकाई का लागू प्रतिवेदन फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबंधन द्वारा निर्णयनलिप्त हैं। इसके अतिरिक्त कई वित्तीय विवरण में विषयपरक निर्णय अथवा अनिश्चितता की डिग्री अथवा समीक्षा लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयनकी श्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सके।

(d) **गलतः**SAs सामान्यतः पृथक रूप से अर्न्तनिहित जोखिम तथा नियंत्रण जोखिम को संदर्भित नहीं करते, परन्तु "सारवान मिथ्या विवरण का जोखिम'' का संयुक्त समीक्षा है। यद्यपि, अंकेक्षक अधिमान अंकेक्षण तकनीक अथवा पद्वतिकरण तथा व्यवहारिक विचार पर निर्भर अर्न्तनिहित तथा नियंत्रण जोखिम का पृथक अथवा संयुक्त समीक्षाकर सकते हैं। सारवान मिथ्या विवरण की समीक्षा को मात्रात्मक शर्त जैसे प्रतिशत में अथवा गैर मात्रात्मक शब्द में प्रकट किया जा सकता है। किसी मामले में अंकेक्षक के लिए उपयुक्त जोखिम समीक्षा को करने की आवश्यकता विभिन्न दृष्टिकोण जिसे वे कर सकते हैं, से अधिक महत्वपूर्ण है।

(e) **सही** : एक अंकेक्षण किसी भी इकाई की वित्तीय जानकारी की एक स्वतंत्र परीक्षा है, चाहे वह समर्थ है या नहीं, और उसके आकार या कानूनी रूप से भले ही जब इस तरह की परीक्षा उसके बारे में राय व्यक्त करने के लिए आयोजित की जाती है यह स्पष्ट है कि अंकेक्षण का मूल उद्देश्य अर्थात् वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति किसी इकाई के प्रकृति, आकार या रूप के संदर्भ द्यमें परिवर्तित नहीं होती है।

(1 Mark for Decision & 1 Mark for reason)

(f) **सही:**एक बार अंकेक्षण की रणनीति स्थापित की जाये, एक अंकेक्षण योजना को समग्र अंकेक्षण रणनीति में पहचाना जाने वाले विभिन्न मामलों को संबोधित करने के लिए विकसित किया जा सकता है, जिससे अंकेक्षकों के संसाधनों के कुशल उपयोग के माध्यम से अंकेक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया जा सकता है। समग्र अंकेक्षण की रणनीति और विस्तृत अंकेक्षण योजना की स्थापना असतत या अनुक्रमिक प्रक्रियाएँ नहीं होती हैं, लेकिन एक में परिवर्तन के परिणामस्वरूप दूसरे में होने वाले परिवर्तनों से निकटता से अंतर–संबंधित होते हैं।

(g) **गलत :** ''अंकेक्षण प्रलेखन" परSA 230 के अनुसार कार्यरत कागजात लेखा परीक्षक की सम्पत्ति है और लेखा परीक्षक को उन्हें बनाए रखने का अधिकार है। वह अपने विवेक से अपने ग्राहक को उपलब्ध कागजी कागजात उपलब्ध करा सकते हैं। लेखा परीक्षक को उनके अभ्यास और कानूनी या पेशेवर आवश्यकता की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें पर्याप्त रूप से बरकरार रखना चाहिए।

(h) **गलत :** कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 138 में प्रत्येक निजी कम्पनी को पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 200 करोड़ या उससे अधिक का कारोबार करने वाला आंतरिक लेखा परीक्षक नियुक्त करने की आवश्यकता है, या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी समय 100 करोड़या अधिक से अधिक बैंकों या सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों से बकाया ऋण या उधार।

(i) **सही :** सामान्य IT नियंत्रण स्वचालित अनुप्रयोग नियंत्रणों व IT निर्भर नियंत्रणों की क्रियान्वयन को सहायता प्रदान करती है।

(j) **गलत :** ऐसी विधि जिसमें आबादी को वस्तुओं के समूह में विभाजित करना शामिल है, समूह नमूने के रूप में जाना जाता है, जबकि ब्लॉक नमूनाकरण में लगातार मदों के एक अवरुक्त ब्लॉक का चयन शामिल होता है।

Answer: 2

(a) **अंकेक्षक से अंकेक्षण जोखिम को शून्य तक करने की अपेक्षा नहीं की जाती** तथा ना ही की जा सकती है तथा इसलिए वित्तीय विवरण से पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता कि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण सारवान मिथ्या विवरण से मुक्त है। ऐसा है कि क्योंकि अंकेक्षण की अंतर्निहित सीमायें हैं। यह एक अंकेक्षण की अर्न्तनिहित परिसीमा के कारण है।

(i) **वित्तीय रिपोर्टिंग की प्रकृतिः** वित्तीय विवरण की तैयारी में इकाई की तथ्योंतथा परिस्थितियों का इकाई की लागू वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क की आवश्यकता को लागू करने में प्रबन्धन द्वारा निर्णयन लिप्त है। इसके अतिरिक्त, कई वित्तीय विवरण मदों में विषयपरक निर्णय अथवा समीक्षा अथवा अनिश्चितता की डिग्री लिप्त है तथा स्वीकार्य व्याख्या अथवा निर्णयन कीश्रृंखला हो सकती है जिसे किया जा सकता है। **1 Mark**

(ii) **अंकेक्षण प्रक्रियाओं की प्रकृति :** अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करने की अंकेक्षककी योग्यता पर व्यवहारिक तथा कानूनी सीमा है। उदाहरण के लिए **1M**

1. यह संभावना है कि प्रबंधन अथवा अन्य जानबूझकर अथवा अनजाने में पूर्ण सूचना को प्रदान ना करे जो वित्तीय विवरण की तैयारी तथा प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है अथवा जिसका अनुरोध अंकेक्षक द्वारा किया है।

2. धोखाधड़ी में उसे छुपाने के लिए अनुरोध अत्याधुनिक तथा ध्यानपूर्वक डिजाइन योजना लिप्त है। इसलिए अंकेक्षण साक्ष्य को इकट्ठा करने के लिए प्रयुक्त अंकेक्षण प्रक्रिया एक जानबूझकर मिथ्या विवरण की खोज के लिए अप्रभावी हो सकती है, उदाहरण के लिए प्रपत्रीकरण को असत्य करने के लिए सांठगांठ हो सकती है जो अंकेक्षण को यह विश्वास दिला सकती है कि अंकेक्षण साक्ष्य वैध है जबकि यह है नहीं। अंकेक्षक ना ही प्रशिक्षित ना ही प्रपत्र के प्रमाणीकरण में दक्ष है। **(1 Mark for Any 1 point) point**

3. एक अंकेक्षण आरोपित गलत करने में एक अधिकारिक अन्वेषण नहीं है, तदानुसार, अंकेक्षक को विशिष्ट कानूनी अधिकार नहीं दिया गया है जैसेखोज का अधिकार जो कि एक अन्वेषण के लिए आवश्यक हो सकता है।

(iii) **वित्तीय रिपोर्टिंग की समयबद्धता तथा लाभ तथा लागत के मध्य संतुलनः** कठिनाई, समय अथवा लिप्त लागत का मामला स्वयं में अंकेक्षक के लिए अंकेक्षण प्रक्रिया को छोड़ने का वैध आधार नहीं है जहां पर कोई विकल्प नहीं है।

उपयुक्त योजना अंकेक्षण का परिचालन के लिए उपलब्ध पर्याप्त समय तथा संसाधन को बनाने में सहायता करते हैं। इसके बावजूद, सूचना की। प्रासंगिकता, तथा इसका मूल्य समय के साथ कम होता है तथा सूचना कीविश्वसनीयता तथा इसकी लागत के मध्य संतुलन नहीं है। **1 Mark**

(iv) अन्य मामले जो एक अंकेक्षण की सीमा को प्रभावित करते हैंः कुछ विषयवस्तुओं के मामले में, सारवान मिथ्या विवरण को खोजने की अंकेक्षक की परिसीमा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार का अभिकथन अथवा विषय वस्तु में सम्मिलित हैः

– धोखाधड़ी विशेष रूप से वरिष्ठ प्रबंधन का शामिल होना अथवा सांठगांठ

–संबंधित पक्ष संबंध तथा सौदे की विद्यमानता तथा पूर्णता

–कानून तथा अधिनियमों का गैर अनुपालन का घटित होना

–भावी घटना अथवा स्थिति जो एक इकाई को चलायमान संस्था को जारी नहीं रखती। **1 Mark**

(b) योजना अंकेक्षण का असतत चरण नहीं है, बल्कि एक निरंतर और पुनरावृत्ति प्रक्रिया है, जो अक्सर पिछले अंकेक्षण के पूरा होने के कुछ समय बाद (या इसके संबंध में) शुरू होती है और चालू अंकेक्षण जुड़ाव के पूरा होने तक जारी रहती है। हालांकि योजना में, कुछ गतिविधियों और समय–समय पर प्रक्रियाओं के समय पर विचार शामिल है, जिन्हें आगे की अंकेक्षण प्रक्रियाओं के प्रदर्शन से पहले पूरा करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए, नियोजन में लेखापरीक्षक की पहचान और भौतिक गलती के जोखिम के आकलन से पहले विचार करने की आवश्यकता शामिल है, जैसे : **(1Mark)**

1. जोखिम मूल्यांकन प्रक्रियाओं के रूप में लागू होने वाली विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएं
2. संस्था के लिए लागू कानूनी और नियामक ढांचा की एक सामान्य समझ प्राप्त करना और इकाई उस ढांचे के साथ पालन कर रही है।
3. भौतिकता का निर्धारण
4. विशेषज्ञों की भागीदारी
5. अन्य जोखिम मूल्यांकन प्रक्रियाओं का प्रदर्शन

(1 Mark for any 4 point)

डब्ल्यू के दृष्टिकोण गलत थे और उन्होंने समग्र अंकेक्षण रणनीति और विस्तृत अंकेक्षण प्रक्रिया तैयार करनी चाहिए।

(c) अंकेक्षण सम्पूर्ण अंकेक्षण व्यूहरचना स्थापित करेगा जो अंकेक्षण का क्षेत्र, समयबद्धता तथा दिशा स्थापित करता है, तथा अंकेक्षण योजना के विकास का मार्गदर्शन करता है। **1 Mark**

सम्पूर्ण अंकेक्षण व्यूहरचना की स्थापना की प्रक्रिया अंकेक्षक को अंकेक्षक की जोखिम समीक्षा प्रक्रिया की पूर्ति के तहत इस प्रकार के मामलों को निर्धारित करता है जैसेः

1. विशिष्ट अंकेक्षण क्षेत्र के लिए संसाधनों को जुटाना जैसे उच्च जोखिम क्षेत्र केलिए उपयुक्त रूप से अनुभवी दल के सदस्यों का उपयोग अथवा जटिल मामलों पर विशेषज्ञ की लिप्तता;
2. विशिष्ट अंकेक्षण क्षेत्र को आबंटित करने के लिए संसाधन की राशि जैसेसारवान स्थानों पर इंवेंटी गिनती का अवलोकन के लिए निर्दिष्ट दल के सदस्यों की संख्या, समूह अंकेक्षण के मामले में अन्य अंकेक्षक के कार्य कीसमीक्षा अथवा उच्च जोखिम क्षेत्र में आबंटन के लिए घंटों में अंकेक्षण बजट;
3. जहां इन संसाधनों को नियोजित किया जाता है जैसे क्या अंतरिम अंकेक्षणचरण पर है अथवा प्रमुख निर्दिष्ट तिथि पर हैय तथा

(1 Mark Each Point)

4. किस प्रकार संसाधन की व्यवस्था, निर्देशन तथा पर्यवेक्षित किया जाता है जैसेजब दल की ब्रिफिग अथवा डिब्रिफिंग मीटिंग को आयोजित करने की अपेक्षा है, किस प्रकार लिप्तता साझेदार तथा प्रबन्धक समीक्षा करने की अपेक्षा है। **(उदाहरण के लिए आनसाइट, ऑफ साइट),**तथा कब लिप्तता गुणवत्ता नियंत्रण समीक्षा को पूर्ण किया जायेगा। **1 Mark**

(d) **जब एक व्यापार ज्यादा स्वचालित वातावरण में परिचालित करता है**:–यह संभावना है कि हम प्रणाली के अंदर कई व्यापार कार्यों तथा गतिविधियों को घटित होते देखेंगे। निम्न पक्ष पर विचार करें।

- संगणना तथा गणना स्वतः की जाती है (उदाहरण के लिए, बैंक ब्याज गणना तथा स्कंध मूल्यांकन) लेखांकन प्रविष्टीयों को स्वतः पोस्ट किया जाता है (उदाहरण के लिए उपलेजर से सामान्य पोस्टिंग स्वतः है)
- व्यापार नीतियों तथा प्रक्रिया जिसमें आंतरिक नियंत्रण सम्मिलित है, को स्वतः लागू किया जाता है।
- उदाहरण के लिए जर्नल अनुमोदन के लिए अधिकारों का प्रत्यायोजन, ग्राहक उधार सीमा जांच को स्वतः निष्पादित किया जाता है।
- व्यापार में प्रयुक्त रिपोर्ट को प्रणाली से प्रस्तुत किया जाता है। प्रबंधन तथा अन्य हितधारक इन रिपोर्ट तथा प्रस्तुत सूचना पर विश्वास करते हैं (उदाहरण के लिए ऋणी आयु बढ़ने की रिपोर्ट)
- उपयोगकर्ता पहुंच तथा सुरक्षा को उपयोगकर्ता की प्रणाली भूमिका को निर्दिष्ट कर नियंत्रित किया (उदाहरण के लिए, कर्तव्यों का पृथक्कीकरण को प्रभावी रूप से लागू किया जाता है।)

(1 Mark Each Point)

Answer: 3

(a) यद्यपि लिखित अभ्यावेदन आवश्यक अंकेक्षण के साक्ष्य प्रदान करते हैं, वे किसी भी ऐसे मामलों केबारे में स्वयं प्रभावी एवं उपयुक्त अंकेक्षण प्रमाण प्रदान नहीं करते हैं जिसके साथ वे सौदा करते है इसकेअलावा, यह तथ्य कि प्रबंधन ने विश्वसनीय लिखित अभ्यावेदन प्रदान किए हैं, वह अन्य अंकेक्षण प्रमाणोंकी प्रकृति को प्रभावित नहीं करते जो अंकेक्षक प्रबंधन की जिम्मेदारियों को पूरा करने या विशिष्ट तर्कोंके बारे में प्राप्त करता है। **2M**

दी गई समस्या के लिए उपरोक्त आवेदन के बाद, लेखा परीक्षक द्वारा कम्पनी द्वारा आयोजित वित्तपोषित जमाओं के समर्थन में बैंकर की प्रमाणिकता प्रदान करने के लिए अनुरोध करंगे। **3M**

(b) एसए 210 के अनुसार "अंकेक्षण की शर्तों को स्वीकार करना", अंकेक्षक एक नये अंकेक्षण कार्य पत्रया अन्य लिखित समझौते को प्रत्येक अवधि में भेजना तय नहीं कर सकता है। हालांकि, कारक जोअंकेक्षण कार्य की शर्तों को संशोधित करने या मौजूदा शब्दों की इकाई को याद दिलाने के लिए उपयुक्तहो सकते हैं, ऊपर पैरा 14 में चर्चा की गई है। **2M**

ग्राहक से कार्य बदलने के लिए अंकेक्षक के लिए अनुरोध–

1. परिस्थितियों में बदलाव द्वारा सेवा की आवश्यकता को घटाना,
2. मूलरूप से अनुरोधित अंकेक्षण या संबंधित सेवा की प्रकृति के रूप में एक गलतफहमी है,
3. कार्य के दायरे पर प्रतिबंध, चाहे प्रबंधन द्वारा या परिस्थितियों के कारण उत्पन्न हो।

(1 Mark Each Point)

(c) **लेखा परीक्षा नमूनाकरण** : "अंकेक्षण नमूनाकरण" परSA 530के अनुसार, ऑडिटनमूनाकरण शब्द का अर्थ है–अंकेक्षण की प्रासंगिकता की आबादी के भीतर 100: से कम मदोंके अंकेक्षण प्रक्रियाओं का प्रयोग करना, जैसे कि सभी नमूनाकरण इकाइयों को चयन कीसम्भावना है अंकेक्षक को उचित आधार के साथ प्रदान करने के लिए जिस पर पूरी आबादीके बारे में निष्कर्ष निकाले जायें। **2M**

नमूना डिजाइन, नमूना आकार और परीक्षण के लिए मदों के चयन से संबंधित आवश्यकताओंको नीचे समझाया गया है–

- **नमूना डिजाइन**–जब एक अंकेक्षण नमूना तैयार किया जाता है तो अंकेक्षक अंकेक्षण प्रक्रिया के उद्देश्य और जनसख्यां की विशेषताओं पर विचार करेगा, जिसमें नमूना तैयार किया जाएगा।
- **नमूना आकार**–अंकेक्षक एक नमूना आकार निर्धारित करेगा जो स्वीकार्य रूप से निम्न स्तर पर नमूना जोखिम कम करने के लिए पर्याप्त होगा।
- **परीक्षण के लिए वस्तुओं का चयन**–अंकेक्षक नमूने के लिए ऐसे मद का चयन करेगा कि जनसंख्या में प्रत्यके नमूना इकाई को चयन की सम्भावना है।

(1 Mark Each Point)

(d) **विश्वसनीयता :** लेखा परीक्षा के साक्ष्य के रूप में उपयोग की जाने वाली जानकारी की विश्वसनीयता और इसलिए लेखा–परीक्षा के सबूतों को ही अपने स्रोत और इसकी प्रकृति और जिसके तहत इसे प्राप्त किया गया है, जिसके अंतर्गत इसकी तैयारी और रख–रखाव पर नियंत्रण सहित प्रासंगिक हैं, इसलिए विभिन्न प्रकार के अंकेक्षण सबूत की विश्वसनीयता के बारे में सामान्यीकरणमहत्वपूर्ण अपवादों के अधीन हैं।

- इकाई के बाहर स्वतंत्र स्रोतों से प्राप्त होने पर अंकेक्षण सबूत की विश्वसनीयता बढ़ जाती हैं।
- अंकेक्षण के साक्ष्य की विश्वसनीयता आंतरिक रूप से उत्पन्न होती है जब इकाई द्वारा लगाए गए तैयारी और रख–रखाव से संबंधित नियंत्रणों सहित, संबंधित नियंत्रण प्रभावी हैं।
- अंकेक्षक द्वारा सीधे प्राप्त लेखा परीक्षा (उदाहरण के लिए, नियंत्रण के आवेदन का निरीक्षण) ऑडिटी साक्ष्य से अप्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होने या अनुमान के आधार पर अधिक विश्वसनीय है (उदाहरण के लिए, नियंत्रण के आवेदन के बारे में पूछताछ)
- वृत्तचित्र रूप में अंकेक्षण सबूत, चाहे कागज, इलेक्ट्रॉनिक या अन्य माध्यम, मौखिक रूप से प्राप्त साक्ष्य से अधिक विश्वसनीय है (उदाहरण के लिए, बैठक का समकालीन लिखित रिकार्ड चर्चा किए गए मामलों के बाद के मौखिक प्रतिनिधित्व से अधिक विश्वसनीय है)।
- मूल दस्तावेजों द्वारा प्रदान किए गए अंकेक्षण के प्रमाण, फोटोकॉपी या फैक्सिमेल्स द्वारा प्रदान किए गए अंकेक्षण के प्रमाण से अधिक विश्वसनीय हैं, या प्रलेखन जो कि पहले से इलेक्ट्रॉनिक रूप में परिवर्तित, डिजीटल या अन्य रूप से परिवर्तित हो गए हैं, इसकी विश्वसनीयता उनकी तैयारी और रख–रखाव पर नियंत्रण पर निर्भर करती है।

(1 Mark Each Point)

Answer: 4

(a) महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन के जोखिम का आकलन करने हेतु की गई मौलिक प्रक्रिया:SA 330"आकलन की गई जोखिम के संबंध में अंकेक्षक का प्रति उत्तर", मौलिक प्रक्रियाअभिकथन स्तर पर महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन की खोज करने हेतु डिजाइन की गई होती है। इनमेंविवरण का परीक्षण व मौलिक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया शामिल है। **1M**

विवरण का परीक्षण–इसके डिजाइन में अभिकथन व जोखिम की प्रकृति महत्वपूर्ण हैउदाहरण के लिए, अस्तित्व या घटना से संबंधित अभिकथन में वित्तीय विवरण के आइटम काचयन व संबंधित अंकेक्षण साक्ष्य का विवरण में परीक्षण शामिल है। दूसरी ओर सम्पूर्णताअभिकथन से संबंधित अभिकथन में वित्तीय विवरण में शामिल रकम की जाँच करना शामिलहै।
विवरण के परीक्षण के डिजाइन में परीक्षण की परिसीमा नमूने के आकार में समझी जाती है।
मौलिक विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएँ: यह अधिक मात्रा के लेन–देनों पर लगता है जो समय केसाथ पूर्वानुमानित होते हैं। **2M**

नियोजित विश्लेषणात्मक प्रक्रिया डाटा के मध्य संबंधों की अपेक्षा पर आधारित होती हैं विपरीतपरिस्थितियों के अभाव में जारी रहेंगे। हालांकि, किसी एक विश्लेषणात्मक प्रक्रिया की उचितताअंकेक्षक के इस आकलन पर निर्भर करेगी कि वह ऐसे मिथ्यावर्णन खोजने में कितनाप्रभावशाली होगा जो स्वतंत्र रूप से अथवा अन्य मिथ्यावर्णन के साथ मिलकर वित्तीय विवरणोंको गलत सिद्ध कर देंगे। कुछ कसे में एक पूर्वकथनीय मॉडल भी विश्लेषणात्मक प्रक्रिया जितनाप्रभावी हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि संस्था के पास ऐसे कई कर्मचारी हैं जिन्हें एकतय दर से समयावधि में वेतन दिया जाता है तो अंकेक्षक के लिए इस डाटा को उपयोग करकाफी अधिक सटीकता से सम्पूर्ण पेरोल लागत का अनुमान लगाना सम्भव है जिससे वित्तीयविवरण के महत्वपूर्ण वस्तुओं के संबंध में अंकेक्षण साक्ष्य उपलब्ध हो जाता है व पेरोल परविवरण का परीक्षण करने की आवश्यकता नहीं रहती। व्यापक तौर पर मान्यता प्राप्त व्यावसायिकअनुपातों के प्रयोग से रिकॉर्ड की गई रकम को बल देता हुआ साक्ष्य मिल जाता है। **2M**

(b) लेखापरीक्षक द्वारा माल का उधार क्रय : कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 141 (3)(D)(ii)में निर्दिष्ट है, कि एक व्यक्ति लेखा परीक्षक के रूप में कार्य करने के लिये अयोग्य होगा, अगर वहकम्पनी के रू.5 लाख से अधिक का ऋणी है। **2M**

जब एक लेखापरीक्षक उसके द्वारा अंकेक्षित कम्पनी से उधार माल या सेवाएं क्रय करता है, वहनिश्चित रूप से कम्पनी के लिये ऋणी है और यदि अदत्त राशि रू.5 लाख से अधिक है, वह कम्पनी मेंलेखापरीक्षक की नियुक्ति के लिये अयोग्य है। **1M**

यदि कम्पनी उसे उधार लेने के लिए बही अवधि की अनुमति देती है, जो यह व्यवसाय की सामान्यनियमों एवं शर्तों में अन्य ग्राहकों को देती है, तो इसमें कोई अन्तर नहीं होगा। लेखापरीक्षक इस बातपर बहस नहीं कर सकता, कि उसे उधार की अवधि प्रदान की जा रही है, जो बाकी ग्राहकों को दी गयीहै। असल मे, इस मामले में वह कम्पनी के लिए ऋणी बन जाएगा तथा इसके फलस्वरूप उसे अपनेकार्यालय को खाली करना माना जाएगा। **2M**

(c) लेखा परीक्षक यह निर्णय करेगा कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क द्वारा आवश्यक तुलनात्मकजानकारी वित्तीय विवरणों में सम्मिलित है और क्या इस प्रकार की जानकारी उचित ढंग से बांटी गईहै। इस उद्देश्य के लिए लेखा परीक्षक आंकलन करेगा कि क्याः **1M**

(i)तुलनात्मक जानकारी पहले की अवधि में प्रस्तुत राशि और अन्य प्रकटीकरण से सहमत है। **2M**

(ii)तुलनात्मक जानकारी में दर्शायी गई लेखांकन नीतियाँ उनके अनुरूप है, जो वर्तमान अवधि मेंइस्तेमाल होती है या यदि लेखांकन नीतियों मं` कोई बदलाव होता है, चाहे वह बदलाव पूर्ण रूप सेउत्तरदायी हो और पर्याप्त रूप से प्रस्तुत और प्रकट हो। **2M**

(d) **आंतरिक नियंत्रण के प्रभावी परिचालन के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य को प्राप्त करते हुए,** अंकेक्षक विचार करता है कि किस प्रकार उसे लागू किया गया,सुसंगता जिसके साथ अवधि के दौरान लागू किया गया तथा किसके द्वारा उसे लागू किया था। प्रभावी परिचालन की अवधारणा मान्यता करती है कि किसके द्वारा उसे लागू किया था। निर्धारित नियंत्रण से विचलन इस प्रकार के कारकों जैसे प्रमुख कर्मीयों में बदलाव, सौदे के परिमाप में महत्वपूर्ण मौसमी उतार चढ़ाव तथा मानव गलती के द्वारा हो सकती है। जब विचलन की खोज की जाती है, अंकेक्षक इन मामलों के संबंध में विशिष्ट पड़ताल करता है विशेष रूप से प्रमुख आंतरिक नियंत्रण कार्य में स्टाफ बदलाव का समय/अंकेक्षक तब सुनिश्चित करता है कि नियंत्रण का परीक्षण उपयुक्त रूप से बदलाव अथवा उतार चढ़ाव अवधि को कवरकरता है। **2M**

नियंत्रण के परीक्षणों के परिणाम पर आधारित, अंकेक्षक आंकलन करेगा क्या आंतरिक नियंत्रण को डिजाइन तथा परिचालित किया है जैसा नियंत्रण जोखिम कीआरंभिक समीक्षा में निर्दिष्ट है। विचलन का आंकलन का परिणाम अंकेक्षक निष्कर्ष निकालने में हो सकता है कि नियंत्रण जोखिमका समीक्षा स्तर को पुर्नरक्षित करनेकी आवश्यकता है। इस प्रकार के मामले में, अंकेक्षक योजनाबद्व प्रक्रिया की प्रकृति, समय तथा हद को संशोधित करेगा। **1M**

अंकेक्षण की समाप्ति के पूर्व, यथार्थपूर्वक प्रक्रिया तथा अंकेक्षक के द्वारा प्राप्त यथार्थपूर्वक प्रक्रिया तथा अन्य अंकेक्षण साक्ष्य के परिणाम पर आधारित, अंकेक्षक को विचार करना चाहिए क्या नियंत्रण जोखिम की समीक्षा की पुष्टि की है। निर्धारित लेखांकन तथा आंतरिक नियंत्रण प्रणाली से विचलन के मामले में, अंकेक्षक को अपने प्रभाव पर विचार करने के लिए विशिष्ट पड़ताल करनी चाहिए। जहां पर इस पड़ताल के आधार पर, अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि विचलन इस तरह की हैं कि नियंत्रण जोखिम की आरंभिक समीक्षा का समर्थन नहीं किया जाता, वह उसका संशोधन करेगा जब तक नियंत्रण का अन्य परीक्षण से प्राप्त अंकेक्षण साक्ष्य उस कर निर्धारण का समर्थन करता है। जहां पर अंकेक्षक निष्कर्ष निकालता है कि नियंत्रण जोखिम के समीक्षा स्तर को पुर्नरक्षित करने की आवश्यकता है, वह योजनाबद् यथार्थपूर्वक प्रक्रिया की प्रकृति, समय तथा हद को संशोधित करेगा। **2M**

यह सुझाव दिया गया है कि आंतरिक नियंत्रण का वास्तविक परिचालन को गहराई में परीक्षण तथा प्रक्रियात्मक परीक्षण का लागू करने के द्वारा परीक्षण करना चाहिए। प्रक्रियात्मक परीक्षण का अर्थ आरंभ

करने, प्राधिकरण, रिकार्डिंग तथा सौदे का प्रपत्रीकरण का प्रत्येक चरण जिस पर यह प्रवाहित होता है, के संबंध में रखी प्रक्रिया के साथ अनुपालन का परीक्षण है।

Answer: 5

(a) प्रेषण पर भेजा गया मालः

(i) जाँच करेंगे कि विक्रय प्रपत्र जो प्रेषणी ने प्रेषिती ने जमा कराया है वह माल की बिक्री व inventory को दर्शा रहा हो।

(ii) हस्तगत माल की समाधान रिपोर्ट बीजक व विक्रय प्रपत्र से मेल रखा रहा हो और आरम्भिक स्टॉक का भी समाधान उचित रूप से किया गया हो।

(iii) प्रेषिती से पुष्टि करेंगे कि चिट्ठा कि दिनांक को दर्शाया गया प्रेषण मेल खा रहा है या नहीं और Consignor व प्रेषणी के बीच ठहराव की शर्ते क्या थी ताकि कमीशन व अन्य खर्चो की जॉच की जा सके।

(iv) सुनिश्चित करेंगे की माल की मात्रा जो प्रेषणी के पास है उसका मुल्यांकन लागत + Plus अनुपातित गैर आवर्तित खर्चो के अनुसार बॉटा गया हो। यदि शुद्ध वसूली योग्य मूल्य कम है तब प्रेषणी के पास रखा गया माल शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर ही दर्ज किया जाना चाहिये।

(v) प्रेषणी के पास रखा गया माल अलग से प्रदर्शित किया गया है कि नहीं।

(1 Mark Each Point)

(b) विदेशी यात्रा के व्यय :–

(i) जाँच करेंगे कि यात्रा भत्ते के बिल कर्मचारी द्वारा उचित रूप से जमा कराये हो जिसमें यात्रा कि जानकारी व खर्चो की जानकारी हो।

(ii) सत्यापित करेंगे कि यात्रा के कार्यक्रम कि अनुमति सक्षम प्राधिकारी से ली गई हो।

(iii) यात्रा भत्ते से सम्बन्धित बिल व सहायक दस्तावेज की जॉच करेंगे जैसे कि – हवाई टिकट, यात्रा एजेन्ट का बिल, होटल बिल इत्यादि।

(iv) यह देखेंगे कि यात्रा भत्तों के बिलों के साथ यात्रा रिपोर्ट भी लगाई गई हो जिसमें यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट हो जिसकी अधिकारी द्वारा पुष्टि की गई थी।

(v) यह जॉच करेंगे कि विदेशी मुद्रा RBI की अनुमति के अनुसार निकाली गई हो। जिसका प्रदर्शन Schedule 3 में भी हो और AS-II के अनुसार हो।

(1 Mark Each Point)

(c) पूंजी सब्सिडी की प्राप्ति :–

(i) वह आवेदन देखेंगे जो सब्सिडी के दावे के साथ प्रस्तुत किया गया हो और सब्सिडी की योजना के तहत ली गई हो।

(ii) दस्तावेजों की जॉच करेंगे जो सब्सिडी से सम्बन्धित है और उसके इस्तेमाल की शर्ते भी देखेंगे।

(iii) उन शर्तो का उल्लेख कीजिए विशेषतः जो कि एक विशिष्ट सम्पत्ति और विशिष्ट कारखाने के स्थान को सुनिश्चित करने में मदद करती है।

(iv) सब्सिडी की स्वीकृति प्रतिलिपि से सम्बन्धित प्रविष्टियों की जाँच कीजिए।

(v) अनुपालन सम्बन्धि आवश्यकताऐं जो AS-12 से सम्बन्धित है उनकी जॉच कीजिए। ये बताइये कि जो विशिष्ट राशि है वो प्रर्वतक का योगदान है तथा ये स्पष्ट भी है।

(1 Mark Each Point)

(d) आयकर का प्रावधान :–

(i) अकेंक्षी द्वारा तैयार आय की गणना को प्राप्त कीजिये तथा सुनिश्चित कीजिये की यह आयकर अधिनियम 1961 की नियमावली के अनुसार है।

(ii) समायोजनों का पुनः निरीक्षण कीजिये, व्ययों, विशेष छूट जो कि अस्वीकार की गई है, इत्यादि जो कि पूर्व उपलब्ध मूल्यांकन से सम्बन्धित है।

(iii) सम्बन्धित दस्तावेजों तथा रिकार्ड जो कि पूर्व भुगतान कर व स्वयं मूल्यांकित कर से सम्बन्धित है उनकी जॉच करें।
(iv) वित्त अधिनियम से सम्बन्धित नवीनतम कर भुगतान की दरों की गणना करेंगे।
(v) सुनिश्चित करेंगे कि चिट्ठे से सम्बन्धित तिथि व उनके सम्पूर्ण प्रावधान चालू वित्त वर्ष से सम्बन्धित है, पूर्व कर भुगतान, मूल्यांकन आदेश इत्यादि भी सम्बन्धित है।
(vi) सुनिश्चित करेंगे कि AS-22 के अनुसार करो का लेखांकन उपयुक्त रूप से किया गया हो।

(1 Mark any 5 Point)

Answer: 6

(a) शासन द्वारा आरोपित व्यक्तियों से मामलों के सवांद से लेखा परीक्षक यह निर्धारित करेगा, कि इन मामलोंमें लेखा परीक्षण करने के लिए लेखा परीक्षक को महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है।
यह निर्धारण करने में लेखा परीक्षक निम्नलिखित को ध्यान में रखेगा।

(a) भौतिक गलतियों के जोखिम के उच्च आंकलन वाले क्षेत्र या विशिष्ट जोखिम जिनकी पहचानलेखांकन मानकSA 315 के अन्तर्गत की गई। **2M**

(b) वित्तीय विवरणों के उन क्षेत्रों से सम्बन्धित लेखा परीक्षक के विशिष्ट निर्णय जिनमें विशिष्टप्रबन्धन निर्णय आते हैं, लेखांकन अनुमान, जिनकी पहचान उच्च अनुमान अनिश्चिचता के साथ हुई आतेहैं। **2M**

(c) अवधि के दौरान हुए लेन–देनों या घटनाओं का ऑडिट पर विशिष्ट प्रभाव।
लेखा परीक्षक निर्णय करेगा कि कौन–सा मामला ऊपर बताये गये पैराग्राफ के अनुसार निर्णीत होगा,जो वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण में महत्वपूर्ण थे और क्योंकि यह महत्वपूर्ण लेखापरीक्षण मामले हैं। **1M**

(b) **अग्रिम के ऊपर आंतरिक नियंत्रण का आंकलनः** अंकेक्षक को अपने यथार्थपूर्वक प्रक्रिया की प्रकृति, समय तथा हद को निर्धारण करने के लिए अग्रिम के उपर विभिन्नआंतरिक नियंत्रण की प्रभावदेयता का परीक्षण करना चाहिए। सामान्य में, अग्रिम के उपर आंतरिक नियंत्रण में निम्न सम्मिलित होना चाहिएः

- बैंक को ऋणी की साख मूल्य के संबंध में स्वयं को संतुष्ट करने तथा बैंक की उपयुक्त प्राधिकरण से अनुमोदन को प्राप्त करने के पश्चात् अग्रिम देना चाहिए।
- सभी आवश्यक प्रपत्र (उदाहरणतः समझौता, मांग वचन पत्र, बंधक का पत्र इत्यादि) को अग्रिम देने से पूर्व पक्षों द्वारा निष्पादित करना चाहिए।
- अनुमोदन की शर्तों की अनुपालना तथा फंड का अंतिम उपयोग को सुनिश्चित करना चाहिए।
- पर्याप्त मार्जिन जैसा अनुमोदन पत्र में निर्दिष्ट है, को प्रतिभूतियों के विरूद्ध रखना चाहिए ताकि उसके मूल्य में किसी गिरावट को कवर किया जा सके। पर्याप्त मार्जिन की उपलब्धता को नियमित अंतराल पर सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।
- यदि ली गयी प्रतिभूतियाँ अंशों, ऋणपत्र इत्यादि की प्रकृति की है, उसके स्वामित्व को बैंक के नाम में अंतरित करना चाहिए तथा इस प्रकार की प्रतिभूतियों का प्रभावी नियंत्रण को प्रपत्रीकरण के भाग के रूप में रखना चाहिए।
- पंजीकरण वाली सभी प्रतिभूतियों को बैंक के नाम में पंजीकृत होना चाहिए अथवा अन्यथा बैंक को स्वत्व **each correct any 5** देने के लिए पर्याप्त प्रपत्र के रूप में सलंग्न होनी चाहिए।
- बैंक के ग्रहण में वस्तुओं के मामले में, पैकेज की वस्तु को प्राप्ति के समय परीक्षण जांच करनी चाहिए। गोदाम का बैंक का निरीक्षकों के अतिरिक्त संबंधित शाखा के जिम्मेवार अधिकारी द्वारा समय समय पर निरीक्षण करना चाहिए। खातों को दोनों आहरण अधिकार तथा अनुमोदन सीमा के अंदर रखना चाहिए।
- सभी खाते जो अनुमोदन सीमा से अथवा आहरण अधिकार से अधिक है अथवा अन्यथा अनियमित है, को नियमित रूप से नियंत्रण प्राधिकरण की सूचना में लाना चाहिए।
- प्रत्येक अग्रिम खाता का परिचालन की कम से कम वर्ष में एक बार तथा बड़े अग्रिम के मामले में ज्यादा नियमित अंतराल पर समीक्षा होनी चाहिए।

(½ Mark for each correct Max. 5 Marks)

(c) ऐसे किसी अंकेक्षण मे सन्निहित विशेष चरण निम्न प्रकार हो सकते हैं :

(1) सदस्यता आवेदनों, उनको निर्गमित प्रतिपर्णों तथा प्रबन्ध समिति के सूक्ष्मों के हवाले से प्रवेशशुल्क के लिए प्राप्त राशि का प्रमाणन करें

(2) सदस्यों को जारी रसीदों के प्रतिपर्णों से उनके चंदों का प्रमाणन करंये एक चुनी गई अवधि केलिए सदस्यों के रजिस्टर से रसीदों को चिह्नित करयें साथ ही कलु प्राप्त हुई राशि तथा अदत्त चंदा राशिका कलु चंदे की राशि से मिलान भी करें।

(3) आश्वासन पायें कि विगत वर्ष के लिए चंदे की बकाया राशि सही तौर से आगे ले जायी गईहै तथा अंकेक्षणाधीन कार्य के लिए बकाया राशियाँ तथा अग्रिमतः प्राप्त चंदे सही तौर पर समायोजितकिये गये हैं।

(4) सदस्यों के रजिस्टर के विभिन्न खातों के योगों को चकै करें तथा उनको आर–पार मिलाकरदेखें।

(5) सदस्यों के रजिस्टर को देखें, ताकि सदस्यों की देय राशियाँ ज्ञात हो सकें जो बकाया है तथामामूल करें, कि क्या उनकी वसूली के लिए आवश्यक कदम उठाये जा चुके हैंय अशोध्य मान ली गईराशियाँ अंकेक्षण प्रतिवेदन में व्यक्त की जानी चाहिये।

(6) सदस्यों को तथा उनके अतिथियों को प्रदान किया गया खाद्य तथा पेय के लिए चार्ज की जारही राशि तथा बिलियर्ड, टेनिस आदि विशेषतः प्रदत्त सेवाओं के लिए चार्ज करने योग्य शुल्क के सम्बन्धमें आंतरिक जांच को सत्यापित करें।

(7) आपूतियों तथा सेवाओं (सदस्यों के प्रति) के सम्बन्ध में रखे गये सहायक रजिस्टर्ड से एक चुनीगई अवधि के लिए डेबिटों को चिह्नित करें ताकि पुष्टि हो सके कि प्रत्यके सदस्य का खाता उससे प्राप्तराशि से डेबिट किया जा चुका है।

(8) स्पोर्टस् मदों, फनीचर, क्रॉकरी आदि के क्रयों का प्रमाणन करें तथा सम्बद्ध स्टॉक रजिस्टर्ससे उनकी प्रविष्टियों को चिन्हित करें।

(9) खाद्य पदार्थ, सिगार, शराब आदि के क्रेयों का प्रमाणन करें तथा उनके विक्रय मूल्य की जाँचकरें ताकि यह बात पक्की हो सके कि सकल लाभ की सामान्य दर उन विक्रयों पर भी उपार्जित की गईहै न बिके खाद्य तथा स्टोर्स का स्टाक, वर्ष के अन्त मे भौतिक तारै पर सत्यापित किया जाये तथा उसकेमूल्यांकन को चैक किया जाये।

(10) फर्नीचर, क्रीड़ा सामग्री तथा अन्य सम्पत्तियों के स्टॉक को तत्सम्बन्धी स्टॉक रजिस्टर्स अथवावर्ष के अन्त में तैयार की गई स्टॉक गणना के संदर्भ में भौतिक तौर पर सत्यापित करें।

(11) निवेशों के सम्बन्ध में अंश पत्रों तथा बॉण्डों को देखें। अन्तिम खातों में अभिव्यक्ति हेतु उनकेचालू मूल्य को चकै करें; साथ ही मालूम करे, कि उनके सुरक्षित रख–रखाव की व्यवस्था संतोषजनकहै।

(12) संचिव की वित्तीय शक्तियों का परीक्षण करें और यदि उसने उनका अतिक्रमण किया गया है,तो प्रबन्ध समिति द्वारा सम्पुष्टि हेतु विशेष सावधानी की रिपोर्ट करें।

(½ Mark for each correct Max. 5 Marks)

(d) **आय के उत्क्रमण (Reversal of Income)**

अगर किसी भी अग्रिम, खरीदी गई और रियायती बिलों सहित, एनपीए किसी भी वर्ष की समाप्तिके रूप में बनी हुई, तो पिछले बकाया राशि में अर्जित पूरे ब्याज और जमा राशि को बदला जा सकताहै या यदि उसे वसूल नहीं किया गया हो, तो प्रदान किया जाना चाहिए। सरकारी गारंटीकृत खातों परभी लागू होगा।
एनपीए, फीस, कमीशन और अर्जित होने वाली समान आय के संबंध मे, वर्तमान अवधि में अर्जित होना बंद कर दिया जाना चाहिए और यदि अस्थिर हो तो पिछली अवधि के संबंध में इसे उलट या प्रदान किया जाना चाहिए। **(1 Mark)**

इसके अलावा, अगर पिछले वर्ष गलत तरीके से मान्यता प्राप्त आय वाले बैंकों के मामले में मौजूदावर्ष के दौरान आय के रूप में पहचाने जाने वाले या किसी समतुल्य राशि के लिए प्रावधान किया गयाहै, जो पिछले वर्ष (ओं)में आय के रूप में पहचाने गए थे। **2M**

इसके अलावा, अंकेक्षक को पूछना चाहिए, कि क्या ब्याज आय खाते में कोई बड़ी डेबिट है, जिसेसमझाया नहीं गया है। यह पूछताछ की जानी चाहिए, कि उधारकर्ताओं ने ब्याज प्रभार में अंतर की ओरइशारा करते हुए कोई भी संचार किया है और इस संबंध में यथायोग्य कार्रवाई की गई है या नहीं। **2M**

***